बृहस्पतिवार 33 साल से देहरादून का विश्वास

14 अगस्त 2025

- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 189
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94 email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

देहरादून जिला पंचायत पर कांग्रेस का कब्जा

अध्यक्ष पद पर सुखविंदर कौर व उपाध्यक्ष पर अभिषेक सिंह जीते

संवाददाता

देहरादून। देहरादून जिला पंचायत पर कांग्रेस ने कब्जा करते हुए कांग्रेस समर्थित सुखविंदर कौर ने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक सिंह ने बाजी मार ली गयी है। दोनो की जीत से कांग्रेस समर्थको में उत्साह का माहौल है।

आज यहां सुबह से ही पंचायत चुनाव को लेकर जिला पंचायत भवन के बाहर कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ जमा थी तथा दोनों दलों के कार्यकर्ता अपने-अपने प्रत्याशियों की जीत के दावे कर रहे थे। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतेजाम किये हुए थे। बारिश होने के बावजूद लोगों का उत्साह देखने लायक था। सुबह मतदान के पश्चात जिला प्रशासन ने कडे सुरक्षा प्रबन्धो के बीच मतगणना का कार्य शुरू किया गया। मतगणना के दौरान दोनों राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता पंचायत भवन के बाहर डटे रहे। इस दौरान दोनों दलों के समर्थकों के दिलों की धडकने तेज हो गयी और वह वहां

अपने-अपने प्रत्याशियो के पक्ष में नारेबाजी करते दिखायी दिये। पुलिस प्रशासन ने सभी को पंचायत भवन से दूर किया और शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने पंचायत भवन के बाहर बैरकेडिंग लगाकर समर्थकों को रोके रखा।

लगभग आधे घंटे में जिला प्रशासन ने मतगणना का कार्य पूर्ण कर विजयी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा की। जिसमें अध्यक्ष पद पर भाजपा की पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान को पीछे छोडते हुए कांग्रेस समर्थित सुखविंदर कौर ने 17 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। वहीं उपाध्यक्ष पद पर चकराता विधायक प्रीतम सिंह के पुत्र अभिषेक सिंह ने बाजी मारते हुए 18 मत प्राप्त कर सीट पर कब्जा कर लिया। भाजपा की देहरादून जिला पंचायत चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस खेमे में उत्साह दिखायी दिया। कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत की घोषणा होते ही कार्यकर्ता ढोल नगाडों के साथ नाचते हुए पंचायत भवन में पहुंचे और उन्होंने नारेबाजी करते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। इस दौरान जिलाधिकारी सविन बसंल ने वहां पर पहुंच कर दोनों जीते हुए प्रत्याशियों को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा।

अराजकता के बीच मतदान संपन्न

❑मारपीट, अपहरण और गोलीबारी से सनसनी ❑हाई कोर्ट ने लिया संज्ञान, डीएम को दिए निर्देश

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में आज जिला पंचायत अध्यक्ष और ब्लॉक प्रमुखों के चुनाव के लिए मतदान हो रहा है। लेकिन मतदान शुरू होने से पूर्व आज नेता विपक्ष यशपाल आर्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें उनके द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस पर गुंडागर्दी करने का आरोप लगाये जा रहे हैं। वह मीडिया के सामने कह रहे हैं कि लोकतंत्र की धज्जियां उड़ाई जा रही है। उनके पास पिस्टल है मारपीट कर रहे हैं। चार सदस्यों को जबरन घसीट कर अपहरण कर ले जाया गया है। कांग्रेस की महिला प्रत्याशी को थप्पड़ मारे गए हैं। मेरे साथ तथा संजीव आर्य व सुमित हृदेयश के साथ भी मारपीट की गई।

ऐसा ही एक वीडियो उधम सिंह नगर से राजकुमार ठुकराल का आया है जो प्रशासन पर आरोप लगा रहे हैं कि विजयी सदस्यों को जिलाधिकारी द्वारा जीत का प्रमाण पत्र हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं दिया गया है।

सवाल यह है कि क्या उत्तराखंड भी उत्तर प्रदेश व बिहार, हरियाणा बन चुका है। जहां चुनाव में जिसकी लाठी उसकी भैंस जैसी कहावतों को चरितार्थ होते देखा जाता रहा है। उधर आज एक और वीडियो बेतालघाट से सामने आया है जिसमे खुलेआम गोलियां चलाई जा रही है। अराजकता का ऐसा माहौल देवभूमि में शायद इससे पहले कभी नहीं देखा गया, जिस तरह की अराजकता इस

चुनाव में देखी जा रही है।

अभी-अभी खबर मिली है कि इस तरह की घटनाओं के सामने आने पर नैनीताल हाईकोर्ट द्वारा स्वत: संज्ञान लेते हुए सरकार और नैनीताल के जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया है कि वह पूरी स्थिति से उन्हें अवगत कराये तथा अपहरण कर ले जाए गये जिला पंचायत के सभी सदस्यों की उपस्थिति का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा सुनिश्चित करें।

दरअसल नैनीताल की घटना में यशपाल आर्य जब मीडिया को आप बीती सुना रहे होते हैं तभी उनका एक समर्थक फोन उनके हाथ में देते हुए कहता है कि डीजीपी है बात करो जो कुछ आर्य द्वारा पत्रकारों को बताया जा रहा था उसे डीजीपी भी फोन पर सुन रहे होते हैं।

नैनीताल हाईकोर्ट ने सख्त रूख अपनाते हुए चुनाव को रद्द करने तक की बात कह दी गई। अगर चुनाव ऐसे ही कराये जाने थे तो फिर चुनावी ड्रामे की जरूरत ही क्या थी देखना होगा कि अब नैनीताल हाई कोर्ट जिसके पास पंचायत चुनाव में गड़बड़ी की शिकायतों का पहले से ढेर लगा हुआ है अब क्या फैसला लेता है।

दून वैली मेल

संपादकीय

समस्या की जड़ निर्वाचन आयोग

बात चाहे वोट चोरी की हो या फिर उस एसआईआर की प्रक्रिया की जो इन दिनों बिहार में जारी है। राहुल गांधी के आरोप सही है या गलत जिस भी मुद्दे पर इन दिनों पूरे देश में चर्चा हो रही है वह असल मुद्दा चुनावी निष्पक्षता का है। अगर मतदाता सूचियों में किसी तरह की गड़बड़ी है अथवा ईवीएम में गड़बड़ी है तो फिर आप निष्पक्ष चुनाव की कल्पना भला कैसे कर सकते हैं और इस बात से कोई भी इन्कार नहीं कर सकता है कि मतदाता सचियो में गड़बड़ी नहीं है। इस गड़बड़ी को चूक नहीं कहा जा सकता है। भूल चूक के कारण इतने बड़े स्तर पर गड़बड़ी नहीं हो सकती है जो मतदान के चुनाव परिणामों को प्रभावित कर सके। कोई अदालत अथवा चुनाव आयोग जिसके कर्तव्य क्षेत्र में यह काम आता है इस बड़ी गलती के लिए स्वयं को दोषी माने न माने लेकिन यह अकाट्य सत्य है। बिना मतदाता सूचियों के सुधार के यह संभव ही नहीं है कि देश में निष्पक्ष चुनाव हो सके। राहुल गांधी अगर एक ही विधानसभा में एक लाख से अधिक फर्जी वोटर होने का ससबूत आरोप लगा रहे हैं तो इसे गंभीर व गंभीरता से क्यों नहीं लिया जा रहा है? यह हैरान करने वाली बात है। अगर देश के अंदर वोट चोरों और चोरी का कोई इतना बड़ा नेक्सेक्स तैयार हो गया या काम कर रहा है तो संविधान का क्या मतलब रह जाता है और लोकतंत्र का क्या औचित्य है। हास्यास्पद बात यह है कि इस अति संवेदनशील मुद्दे पर सरकार चुनाव आयोग और देश का मुख्य मीडिया डिफेंसिव मोड में काम करता दिखाई दे रहा है। इन हालातो को देखकर ऐसा लगता है कि अब नियम कानून संविधान और लोकतंत्र की बात तो छोड़िए कहीं भी नैतिकता का कोई अंश मात्र भी शेष नहीं बचा है। सत्ता, शासन-प्रशासन अगर इस कदर असंवेदनशील बन गया है तो फिर सीधा-सीधा कहो कि अब कोई लोकतंत्र नहीं तानाशाही का दौर है। जिसे स्वीकार करना है और नहीं करना है तो मरने के लिए तैयार रहो। निसंदेह किसी देश के लोकतंत्र के लिए ऐसी स्थिति अत्यंत ही चिंताजनक है। मतदाता सूचियां और मतदान की निष्पक्षता सुनिश्चित किये बिना अब इस देश का लोकतंत्र और संविधान नहीं बचाया जा सकता है। यह मुद्दा अत्यधिक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। इसलिए देश की न्यायपालिका का उत्तरदायित्व और भी अधिक बढ़ जाता है कि इस मामले में हस्तक्षेप तो करें ही साथ ही इसे पूरी गंभीरता से ले तथा आरोपितों में दोषियों की शिनाख्त की जाए और उन्हें जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए। यह भ्रष्टाचार की प्रकाष्ठा से जुड़ा एक ऐसा मामला है जिसमें सत्ता द्वारा समूचे तंत्र को अपने कब्जे में लेकर काम किया जा रहा है तथा इस पूरे खेल में भ्रष्टाचार के रास्ते इकट्ठा किए गए धन का इस्तेमाल किया जा रहा है। और अगर इस मामले की जड़ तक जाने का प्रयास किया जाए तो किसी की भी समझ में आसानी से यह बात आ सकती है कि इसका उपचार सिर्फ चुनावी बांण्ड के नियम कानून का असवैधानिक ठहराये जाने भर से नहीं किया जा सकता है। हर स्तर पर सत्ता के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार को रोकने के लिए अनवरत एक महा अभियान छेड़े जाने की जरूरत है। चुनाव में सिर्फ प्रत्याशियों के चुनावी खर्च सीमा तय किया जाना ही काफी नहीं है बल्कि काले धन के इस्तेमाल पर कड़ाई से भी रोक लगाई जाने की जरूरत है। जब तक चुनावी व्यवस्था इतनी पारदशी नहीं हो पाएगी कि एक सामान्य आदमी भी चुनाव लड़ सके और विधानसभा व संसद तक पहुंच सके तब तक लोकतंत्र और संविधान पर आए इस गंभीर खतरे को टाला नहीं जा सकता और इस सुधार की शुरुआत निर्वाचन आयोग से ही होनी चाहिए।

अंतर्राष्ट्रीय फर्जी पार्सल व सरकारी अधिकारी बनकर की करोड़ों की ठगी

मास्टरमाइंड नाइजीरियन दिल्ली से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। फर्जी अन्तर्राष्ट्रीय पार्सल भेजने के नाम पर 29 लाख रूपये की ठगी के मामले के मास्टरमाइंड नाइजीरियन व्यक्ति को एसटीएफ ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। जिसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफए नवनीत सिंह द्वारा जानकारी दी गई कि एक प्रकरण देहरादून निवासी शिकायतकर्ता द्वारा माह जुलाई 2025 में शिकायत दर्ज कराया गया जिसमें शिकायतकर्ता द्वारा बताया कि फेसबुक पर एक महिला ने स्वयं को एम्स्टर्डम स्थित एक नामी फार्मा कंपनी की सीनियर मैनेजर बताते हुए मित्रता की। विश्वास जीतकर उसने नकली पार्सल भेजने का बहाना बनाया और कस्टम स्कैनिंग, गोल्ड लाइसेंस, करेंसी कन्वर्ज़न, जीएसटी, बीमा, क्लियरेंस, और अन्य शुल्कों के बहाने लगातार ऑनलाइन भुगतान करवाए। परन्तु स्वयं के साथ हो रही साइबर फ्रॉड का अंदेशा नहीं हो पायाए जिससे पीड़ित द्वारा विभिन्न बैंक खातों में कई किस्तों में 24,88, 400 स्थानांतरित किए गए। इसके बाद कथित राष्ट्रीय साइबर सुरक्षाज़ू अधिकारियों और नकली पुलिसकर्मियों ने फर्जी केस निपटाने, नाम हटाने और फाइल आगे बढ़ाने के बहाने अतिरिक्त 4,10,250 अवैध रूप से प्राप्त किए। आरोपियों ने अनेक फजी मोबाइल नंबर, बैंक खाते और सरकारी पदनामों का दुरुपयोग करते हुए प्रलोभन एवं दबाव के माध्यम से पीड़ित को निशाना बनाकर संगठित साइबर धोखाधड़ी से कुल 28,98,650 की धोखाधड़ी की। प्रकरण की गम्भीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकए एसटीएफ उत्तराखण्ड के दिशा निर्देशन में मामले का प्रवेक्षण अपर पुलिस अधीक्षक स्वप्न किशोरए पुलिस उपाधीक्षक, अंकुश मिश्रा एवं विवेचना निरीक्षक आशीष गुसाई साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन, देहरादून के सुपुर्द कर मुकदमें के शीघ्र खुलासे हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। साइबर क्राइम पुलिस द्वारा घटना में प्रयुक्त मोबाइल नंबरों, बैंक खातों, व्हाट्सएप चैट, फेसबुक मैसेंजर वार्तालाप, पार्सल ट्रैकिंग डोमेन

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

राष्ट्रीय स्तर पर चयनित छात्रा अनुष्का को कैबिनेट मंत्री ने किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग प्रतियोगिता में चयनित होने पर छात्रा अनुष्का को कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सम्मानित किया।

आज यहां कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने राजपुर रोड, जाखन निवासी कक्षा 7 की छात्रा अनुष्का ओतानी को राष्ट्रीय स्तर पर शूटिंग प्रतियोगिता में चयनित होने पर सम्मानित किया। मंत्री जोशी ने अनुष्का को शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ भेंट कर बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि अनुष्का ने अपने परिश्रम और लगन से प्रदेश का नाम रोशन किया है। जो युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि अनुष्का भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाएगी। इस अवसर पर छात्रा की माता ऊषा ओतान, मंडल अध्यक्ष राजीव गुरुंग, प्रदीप रावत, भावना चौधरी आदि उपस्थित रहे।

नदी-नालों के किनारे स्थित भवनों को बचाने की मोर्चा ने लगायी गुहार

संवाददाता

देहरादून। नदी, नालों खालो के किनारे स्थित रिहायशी इलाकों को आपदाओं से बचाने के लिए राज्यपाल व मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर गुहार लगायी।

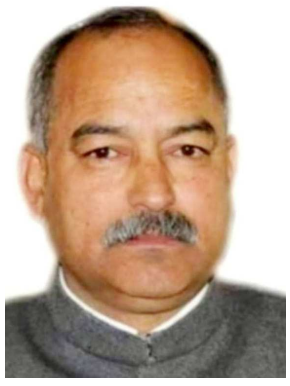

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने राजभवन एवं मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर आए दिन घटित हो रही आपदाओं के परिणाम स्वरूप जिस तरह से जान माल का नुकसान हो रहा है, के दृष्टिगत कि नदी/ नालों/ खालों के किनारे स्थापित हो चुके सरकारी, व्यावसायिक, रिहायशी भवनों को इन आपदाओं से बचाने हेतु बड़ी मात्रा में भारी-भारी तटबंध बनाने का आग्रह किया, जिससे भविष्य में जान- माल के नुकसान की संभावनायें न के बराबर हो जायें। सरकार को सख्ती से नदी- नालों के किनारे बन रहे भवनों पर रोक लगनी चाहिए, जैसा कि सरकार द्वारा अब रोक लगाई गई है। नेगी ने कहा कि सरकार को चाहिए कि नदी किनारे बन चुकी बड़ी-बड़ी सरकारी इमारतें यथा स्कूल, जेल, थाना, मानसिक अस्पताल, आर्मी कॉलोनी व अन्य संस्थान तथा बड़े-बड़े व्यवसाईयों द्वारा बिल्डिंग, अस्पताल व फैक्ट्रियां के किनारे बड़े-बड़े तटबंध स्थापित कर कर इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। मोर्चा ने सरकार को धराली, उत्तरकाशी जैसी आपदाओं से भी सबक लेने का आग्रह किया गया।

महापौर सौरभ थपलियाल ने किया कारगी प्लांट का निरीक्षण

संवाददाता

देहरादून। मेयर सौरभ थपलियाल ने हरिद्वार बाईपास कारगी में कूड़े के मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन का औचक निरीक्षण किया और यहां की व्यवस्थाओं का बारीकी आंकलन किया।

आज यहां लगातार सफाई व्यवस्था पर मेयर सौरभ थपलियाल ने फोकस किया हुआ है। वार्डो के निरीक्षण के क्रम में मेयर ने हरिद्वार बाईपास कारगी में कूड़े के मैकेनाइज्ड ट्रांसफर स्टेशन का औचक निरीक्षण किया और यहां की व्यवस्थाओं का बारीकी आंकलन किया। कर्मचारियों की मौजूदगी को भी देखा। मेयर सौरभ ने यहां तैनात कर्मचारियों को सिस्टम के तहत काम करने के निर्देश दिए। सुबह साढ़े सात बजे मेयर सौरभ थपलियाल कारगी ट्रांसफर स्टेशन में पहुंचे। मेयर ने यहां तैनात कंपनी के कर्मियों से पूछा कि मशीनें को लेकर किसी तरह की समस्या तो नहीं है। मेयर ने कर्मियों से पूछा कि वार्डो से ट्रांसफर स्टेशन पर कूड़ा क्या समय पर आ रहा है। कर्मियों ने बताया कि कूड़ा समय पर यहां आ रहा है। मेयर ने मौके पर कार्मिकों को कहा कि प्लांट में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए यहां कार्य तिर्वगति से होने चाहिए साथ ही किसी भी तरह की समस्या आती है तो तत्काल नगर निगम को सूचित करें। मेयर ने कार्मिकों से कहा कि ट्रांसफर स्टेशन में शहर भर का कूड़ा आता है और इस समय बरसात का मौसम भी हैं। इसलिए यहां काम कर रहे कमी मास्क जरूर लगाए। मेयर ने कूड़ा निस्तारण प्रक्रिया को काफी देर देखा साथ ही मेयर ने कर्मियों को आगामी स्वतंत्रता दिवस की बधाई भी दी।

निजी व सिटी बसों की प्रतिस्पर्धा लोगों की जान को खतरा!

❑मानवाधिकार आयोग में लगायी गुहार

संवाददाता

देहरादून। निजी व सिटी बसों में आपसी प्रतिस्पर्धा के चलते आम जनता की जान को बन रहे खतरे को देखते हुए मानवाधिकार आयोग से कार्यवाही करने की गुहार लगायी।

आज यहां नेहरू कालोनी निवासी भूपेन्द्र कुमार ने मानवाधिकार आयोग में प्रार्थना पत्र दाखिल करते हुए बताया कि जिला देहरादून के विकासनगर रूट पर सवारियां बैठाने की जल्दी में लोगों की जान लेने की निजी बसें कोशिश कर रहीं हैं। देहरादून से विकासनगर के बीच चलने वाली निजी बसों की तेज रफ्तार और लापरवाही ने स्थानीय लोगों के लिए खतरा पैदा कर दिया है। इस रूट पर चलने वाली निजी बसें अक्सर भीड़भाड़ वाले इलाकों में बेलगाम गति से दौड़ती हैं। देहरादून-विकासनगर रूट व्यस्त और संकरा मार्ग है। पिछले कुछ समय से इस रूट पर स्मार्ट सिटी की इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होने लगा है। इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है। निजी बस चालक अधिक सवारियां बैठाने के चक्कर में तेज गति से बस दौड़ते हैं। गलत तरीके से ओवरटेकिंग और ट्रैफिक नियमों की अनदेखी इनके लिए आम बात है। कुछ दिन पहले हरबर्टपुर में एक निजी बस सड़क किनारे खड़े एक ऑटो-रिक्शा से टकरा गई। इस हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पिछले एक साल में कई लोगों को घायल करने के साथ ये बसें जान भी ले चुकी हैं।

मकान का ताला तोड नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का तोड वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुसूया मार्ग निवासी शशांक गुरूंग ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गये थे। आज जब वह वापस आये तो देखा कि मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान अस्त व्यस्त पडा था। चोर उसके यहां से नगदी व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर खडी ई-रिक्शा की बैटरियां चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायवाला निवासी मातवर सिंह बुटोला ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह खैरी कला अपने ससुराल आया था तथा उसने अपना ई-रिक्शा ससुराल के बाहर खडा किया था। आज जब सुबह वह बाहर आया तो उसने देखा कि उसकी ई-रिक्शा की बैटरियां गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

स्थानीय पार्षद की उदासीनता के चलते लगा कबाड का ढेर

संवाददाता

देहरादून। स्थानीय पार्षद की उदासीनता के चलते वार्ड 27 में कूडे के ढेर से स्थानीय लोग परेशान हो रखे हैं। लेकिन पार्षद को कई बार फोन पर सम्पर्क करने के बाद भी मात्र आश्वासन का ही सहारा मिला।

यहां वार्ड 27 झंडा वार्ड के मन्नूगंज नाले के पास कूडे का ढेर पडा है जिससे वहां पर मच्छर व बदबू से लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। कूडे का ढेर भी उस स्थान पर पडा हुआ है। जहां पर प्रत्येक वर्ष गणपति पूजन होता है और वहां पर पंडाल लगाया जाता है। वहां पर कूडे का ढेर स्थानीय पार्षद की अनदेखी का जीता जागता उदाहरण है। पार्षद को उनकी पार्टी के ही कार्यकर्ताओं ने फोन करके शिकायत की लेकिन स्थानीय लोगों को मात्र आश्वासन का ही झूनझूना थमाया गया कार्यवाही के नाम पर शून्य ही मिला। जबकि स्थानीय पार्षद सोशल मीडिया में साफ सफाई का निरिक्षण करने के दावे करते दिखायी देते हैं लेकिन उनकी कार्यशैली का जीता जागता नमूना वहां पर पडा कूडे का ढेर अपने बयां कर रहा है।

अस्थमा एक फेफड़ों से जुड़ा रेस्पिरेटरी रोग

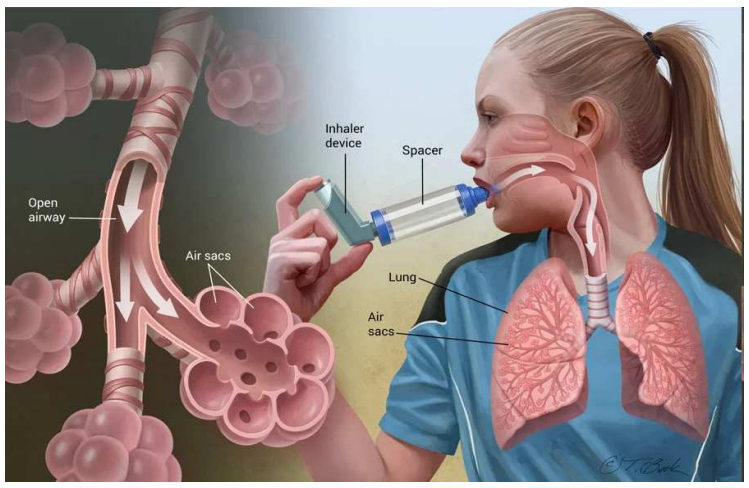

अस्थमा एक फेफड़ों से जुड़ा रेस्पिरेटरी रोग है, जो न केवल हमारे श्वसन संबंधी स्वास्थ्य पर बल्कि दैनिक कार्यों को पूरा करने की हमारी क्षमता पर भी गहरा प्रभाव डालता है। अस्थमा से पीड़ित लोगों में वायुमार्ग संकीर्ण हो जाता है और बहुत अधिक बलगम पैदा करता है। यह सांस लेने में कठिनाई, घरघराहट, खांसी जैसी तकलीफों को बढ़ाने का काम करता हैं। ऐसे में जरूरत होती हैं कुछ घरेलू उपायों को आजमाने की ताकि अस्थमा के मरीजों में उठने वाली परेशानियों से बचा जा सकें। तो आइये जानते हैं इन नुस्खों के बारे में...

शहद : शहद का इस्तेमाल सर्दी-जुकाम के इलाज के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग गले में खराश को शांत करने और खांसी को रोकने के लिए किया जा सकता है। खांसी अस्थमा के लक्षणों को और खराब कर सकती है। सर्दी और दिवाली के दिनों में आपको सावधान रहना चाहिए कि सर्दी न लगे। गर्म चाय में शहद मिलाकर पीएं या फिर एक चम्मच रोज सुबह 2 या 3 तुलसी के पत्तों के साथ लें।

पिप्पली : श्वसन विकारों का इलाज करने के लिए आयुर्वेद में पिप्पली का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। यह ठंड और खाँसी से राहत देती है और क्रॉनिक अस्थमा की स्थिति में बहुत उपयोगी है। यह बंद छाती को खोलने में सहायक होती है और हिचकी को कम करती है। शहद के साथ एक चौथाई चम्मच पिप्पली पाउडर को दिन में दो बार लें। गर्भावस्था में, पिप्पली पाउडर को एक छोटी मात्रा में घी के साथ लिया जा सकता है। इसके अधिक सेवन से बचें क्योंकि यह गर्म होने के कारण पेट को परेशान कर सकती है।

अदरक : अगर आप जल्दबाजी में कोई रेमेडी तैयार करना चाहते हैं तो अदरक और हल्दी को मिक्स करके एक चाय भी बना सकते हैं और उसे गर्म गर्म पी जाएं। सबसे पहले थोड़े से अदरक को कस लें और उसे एक गिलास पानी के साथ उबाल लें। अब इसमें आधी चम्मच हल्दी पाउडर भी एड कर दें। अगर इसे रोजाना दिन में दो बार पिया जाए तो यह आयुर्वेदिक रेमेडी अस्थमा अटैक आने की संख्या बेहद कम कर सकती है।

लहसुन : अस्थमा का सफल उपचार करने के लिए आपको लहसुन का इस्तेमाल करना चाहिए। लहसुन अस्थमा के रोगियों के लिए बहुत लाभदायक होता है। 30 मिली दूध में लहसुन की पाँच कलियाँ उबालें और इस मिश्रण का हर रोज सेवन करने से अस्थमा का जड़ से इलाज होता है।

दालचीनी और शहद : एक चम्मच शहद में एक चौथाई दालचीनी का टुकड़ा मिलाएं और इन दोनों को एक कप पानी के साथ उबलने के लिए रख दें। अब इसे 10 मिनट के लिए थोड़ा ठंडा होने के लिए छोड़ दें और उसके बाद शहद एड कर दें। शहद को एक चम्मच से ज्यादा न डालें। इस रेमेडी का सेवन रोजाना एक बार कर सकते हैं। अधिक लाभ पाने के लिए इसे दो बार भी पी सकते हैं।

कैफीन : कैफीन में थियोफिलाइन की कई समानताएं हैं। थियोफिलाइन एक ब्रोन्कोडायलेटर दवा है जिसका उपयोग अस्थमा के रोगियों के फेफड़ों में वायुमार्ग को खोलने के लिए किया जाता है। दवा के समान होने के कारण कैफीन एक अच्छा घरेलू उपचार हो सकता है जो आपके अस्थमा के लक्षणों को कम करने में आपकी मदद कर सकता है। कैफीन कॉफी, चाय, कोको और विभिन्न कोला पेय में पाया जा सकता है। गर्म पेय पदार्थ भी जकड़न वाले वायुमार्ग को खोलने में मदद करते हैं।

हल्दी : हल्दी को मजबूत एंटी-एलर्जी गुणों के लिए जाना जाता है। हिस्टामाइन सूजन पैदा करने के लिए जाने जाते हैं। हल्दी हिस्टामाइन को प्रभावित करती है जो सूजन को रोक सकती है। यह अस्थमा के लक्षणों को दूर कर सकता है और अस्थमा के हमलों को रोकने में आपकी मदद कर सकता है। अपने भोजन को प्रतिदिन हल्दी के साथ पकाएं।

रिंकल्स छपाने के लिए ऐसे करें मेकअप

ढलती उम्र का असर शरीर के साथ-साथ चेहरे पर भी पड़ता है। स्किन ड्राई हो जाती है और झुर्रियां पड़ने लगती हैं। इसकी वजह से चेहरा बदसूरत लगने लगता है। लेकिन कुछ मेकअप ट्रिक्स के जरिए रिंकल्स यानी झुर्रियों को छिपाया जा सकता है। हालांकि मेकअप ऐसा होना चाहिए कि वह चेहरे पर दिखे न।

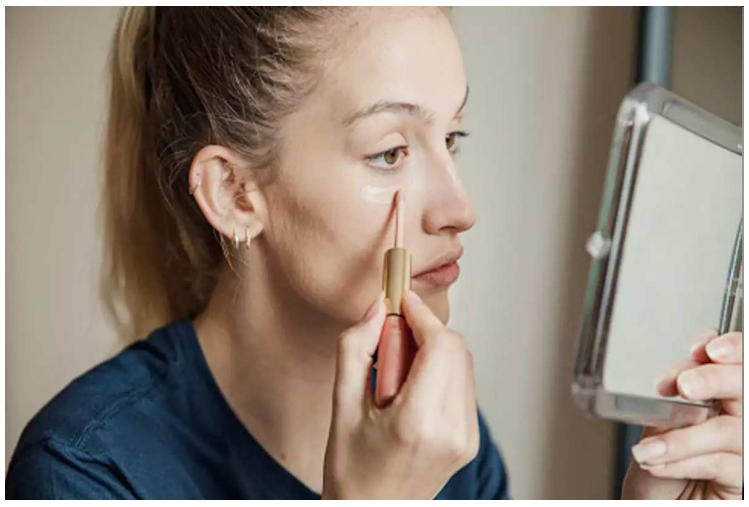

झुर्रियां हैं तो अलग तरह का फाउंडेशन

सबसे पहले तो चेहरे के लिए एक बेस या फाउंडेशन की जरूरत होगी। चूंकि चेहरे पर झुर्रियां हैं तो इसके लिए अलग तरह का फाउंडेशन चाहिए। रिंकल्ड स्किन के लिए ऐसे फाउंडेशन लें जिनमें कॉलेजन को बढ़ावा देने वाले तत्व जैसे कि रैटिनॉल, ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स और पेप्टाइटड्स हों।

सैलिसिलिक ऐसिड वाला फाउंडेशन न लगाएं फाउंडेशन ऐसा हो जिसमें मॉइश्चराइजर पर्याप्त मात्रा में हो। इससे यह होगा कि मेकअप के बाद भी स्किन ग्लोइंग लगेगी। ऐसे फाउंडेशन चुनें जिनमें सैलिसिलिक ऐसिड न हो क्योंकि इससे स्किन ड्राई हो जाती है।

एसपीएफ रिच सनस्क्रीन लगाएं स्किन चाहे कैसी भी हो लेकिन उसे सूरज की खतरनाक पराबैंगनी किरणों से बचाना बहुत जरूरी होता है। इसलिए एसपीएफ रिच सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

डेड स्किन रिमूव करने के लिए यह स्क्रब लगाएं किसी भी स्किन टाइप पर मेकअप करने से पहले जरूरी है कि उसे एक्सफोलिएट कर लिया जाए। इसके लिए शहद और चीनी का स्क्रब सबसे बेस्ट है। 2 चम्मच शहद में 1 चम्मच चीनी मिलाकर पूरे चेहरे पर लगाएं और 5 मिनट बाद हाथों से रगड़कर गुनगुने पानी से चेहरा धो लें।

मॉइश्चराइजर और प्राइमर लगाएं अब चेहरा सूख जाए तो मॉइश्चराइजर लगाएं और फिर प्राइमर लगाएं। इससे पूरे चेहरे पर एक समान बेस बनेगा। झुर्रियों वाली जगह पर प्राइमर अच्छी तरह से लगाएं ताकि वे छिप जाएं।

स्पंज की मदद से लगाएं फाउंडेशन फाउंडेशन लगाएं और ब्लशर की मदद से स्किन को स्मूद करें। चाहे तो स्पंज की मदद से फाउंडेशन लगा सकती हैं। इससे यह डीप पोर्स में सेट हो जाएगा। एक्स्ट्रा फाउंडेशन को ब्रश की मदद से रिमूव करें।

कंसीलर लगाएं इसके बाद कंसीलर लगाएं और ऊपर से ट्रान्सलूसन्ट पाउडर लगाएं। इसकी मदद से फाउंडेशन और रिंकल्स को समान रूप से कवर किया जा सकता है।

मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक निसार

योगेश कुमार गोयल

श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 30 जुलाई की शाम जीएसएलवी-एफ16 रॉकेट के माध्यम से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) द्वारा संयुक्त रूप से विकसित निसार' (नासा-इसरो सिंथेटिक अपरचर रडार) उपग्रह को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। यह उपग्रह न केवल एक तकनीकी चमत्कार है, बल्कि विज्ञान, शोध, वैश्विक सहयोग और मानवीय प्रतिबद्धता का युगांतकारी प्रतीक भी है।

निसार' को सूर्य-समकालिक ध्रुवीय कक्षा में 747 किमी. की ऊंचाई पर स्थापित किया गया है, जहां से यह अगले तीन से पांच वर्षों तक निरंतर पृथ्वी की निगरानी करेगा और प्रत्येक 12 दिन में पूरी पृथ्वी का स्कैन करेगा तथा एक बार में 240 किमी. क्षेत्र को कवर करने की अद्वितीय क्षमता रखता है। इस उपग्रह को धरती की गहराइयों और उसकी सतह पर होने वाले बदलावों की सटीक, विस्तृत और सतत निगरानी करने के लिए डिजाइन किया गया है। निसार' इसरो और नासा के दस वर्षों के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है।

निसार' उपग्रह की दो प्रमुख विशेषताएं (एल-बैंड और एस-बैंड की दोहरी रडार प्रणाली तथा स्वीपएसएआर तकनीक) इसे अत्याधुनिक उपग्रहों की श्रेणी में खड़ा करती हैं। इस उपग्रह के एल-बैंड रडार को नासा ने विकसित किया है, जो 1.25 गीगाहर्ट्ज फ्रीक्वेंसी और 24 सेमी तरंगदैर्ध्य पर काम करता है। यह रडार बर्फ, घने जंगलों और धरती की गहराई में होने वाले परिवर्तनों को मापने में सक्षम है। वहीं इसरो द्वारा विकसित एस-बैंड रडार 3.2 गीगाहर्ट्ज की फ्रीक्वेंसी और 9.3 सेमी तरंगदैर्ध्य पर कार्य करता है, जो सतह पर होने वाली सूक्ष्मतम हलचल को भी दर्ज कर सकता है। इस प्रकार निसार' का यह दोहरा रडार सिस्टम भूगर्भीय घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं, वनस्पति परिवर्तनों, कृषि गतिविधियों और मानवजनित प्रभावों की निगरानी के लिए बेहद उपयोगी सिद्ध होगा।

यह उपग्रह दिन-रात, किसी भी मौसम में, बादलों, अंधकार या घने जंगलों की परवाह किए बिना सतत डेटा एकत्रित करता रहेगा। इसका रिजॉल्यूशन 5 से 10 मीटर के बीच होगा जिससे बड़े क्षेत्र में बहुत सूक्ष्म परिवर्तन भी पकड़ में आएंगे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन के अनुसार, निसार' से मिलने वाला डेटा न केवल भारत और अमेरिका, बल्कि पूरी दुनिया के लिए अमूल्य होगा। उपग्रह प्रति दिन लगभग 80 टेराबाइट डेटा जनरेट करेगा जिसे पूरी तरह ओपन-सोर्स के रूप में मुफ्त में साझा किया जाएगा। इसका लाभ वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, नीति-निर्माताओं, किसानों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को समान रूप से मिलेगा। निसार' से संबंधित डेटा कृषि के लिए भी उपयोगी होगा।

यह उपग्रह फसलों की वृद्धि, मिट्टी की नमी, मौसमी प्रभाव, रोग और कीट आक्रमण, और संभावित नुकसान का पूर्वानुमान लगाने में सहायक सिद्ध होगा। इसके माध्यम से सरकारें कृषि बीमा योजनाओं को अधिक वैज्ञानिक, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से लागू कर सकेंगी। पर्यावरणीय क्षेत्र में निसार' जलवायु परिवर्तन के प्रभावों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा। यह समुद्र स्तर में वृद्धि, बर्फ पिघलने, तटीय कटाव, वनस्पति आवरण में परिवर्तन और भूजल स्तर की निगरानी करेगा। इससे पारिस्थितिक तंत्र की स्थिरता, जैव-विविधता संरक्षण, वनों की स्थिति और मानवजनित प्रभावों का अध्ययन किया जा सकेगा। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से भी यह उपग्रह क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है। इसके जरिए भूकंप, भूस्खलन, ज्वालामुखी विस्फोट, सुनामी जैसी आपदाओं के प्रारंभिक संकेतों को पहचाना जा सकेगा जिससे समय रहते चेतावनी देकर जान-माल की हानि को कम किया जा सकेगा।

भारत और अमेरिका की साझेदारी ने दिखा दिया है कि जब दो राष्ट्र साझा उद्देश्य, पारदर्शिता और वैज्ञानिक उत्कंठा के साथ एकजुट होते हैं, तब विश्व को अभूतपूर्व उपलब्धियां मिलती हैं। निसार' के माध्यम से भारत और अमेरिका पूरे ग्रह को एक साथ देखना, समझना और संरक्षित करना सीख रहे हैं। यह मिशन मानवता के भविष्य की रक्षा, पर्यावरण संतुलन के पुनर्निर्माण और पृथ्वी की बदलती धड़कनों को जानने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। यह उपग्रह वैज्ञानिक शोध एवं नवाचार को नई दिशा देने के साथ-साथ नई पीढ़ी को पृथ्वी और पर्यावरण के प्रति अधिक सजग बनाने में भी मदद करेगा। निसार' के माध्यम से विश्व को ऐसा शक्तिशाली उपकरण प्राप्त हुआ है, जो धरती की सतह, उसकी परतों, संसाधनों और संकटों को जानने की हमारी क्षमता को व्यापक और सटीक बनाएगा। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि मानवीय चेतना का विस्तार है, ऐसा वैज्ञानिक यंत्र, जो हमारी पृथ्वी की नब्ज को सुन सकेगा और समय रहते बदलावों के प्रति हमें सचेत करेगा। इसीलिए निसार' को वैश्विक चेतना का उपग्रह' कहा जाना उपयुक्त होगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

रोजाना कुछ मिनट जरूर सुनें संगीत, मिल सकते हैं ये फायदे

संगीत एक ऐसी कला है, जो न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह हमारे जीवन को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभाती है। संगीत सुनने से हमारे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। यह तनाव को कम करने, मन को शांत रखने और याददाश्त को मजबूत करने में मदद कर सकता है। आइए जानते हैं कि संगीत सुनने से क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

तनाव को कम करने में है सहायक

संगीत सुनना तनाव को कम करने का एक असरदार तरीका है। जब हम पसंदीदा संगीत सुनते हैं तो हमारा मन शांत होता है और हम तनाव से मुक्त हो जाते हैं। यह हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा संगीत सुनने से हमारा मन खुश रहता है और हम नई ऊर्जा महसूस करते हैं। इसलिए रोजाना कुछ समय संगीत सुनने की आदत डालें और अपने जीवन को तनावमुक्त बनाएं।

मन को शांत रखने में है मददगार

संगीत सुनना मन को शांत रखने में भी मदद करता है, खासकर जब हम धीमा और मधुर संगीत सुनते हैं तो हमारा मन शांति महसूस करता है। इससे हमारी नींद भी बेहतर होती है और हम ताजगी महसूस करते हैं। इसके अलावा संगीत सुनने से हमारी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है और हम अधिक सकारात्मक महसूस करते हैं। इसलिए रोजाना कुछ समय संगीत सुनना हमारी मानसिक सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

याददाश्त को मजबूत करने में है सहायक

संगीत सुनना याददाश्त को मजबूत करने में भी मदद करता है। जब हम किसी गीत को गुनगुनाते हैं या उसे याद करते हैं तो हमारी याददाश्त बेहतर होती है। यह तरीका विशेष रूप से बच्चों के लिए फायदेमंद होता है क्योंकि इससे वे आसानी से नई चीजें सीख सकते हैं। इसके अलावा संगीत सुनने से हमारा ध्यान भी बढ़ता है, जिससे हम किसी भी काम में अधिक फोकस कर सकते हैं।

शारीरिक गतिविधियों को बनाता है मजेदार

अगर आप कसरत करते समय संगीत सुनते हैं तो आपकी शारीरिक गतिविधियां अधिक मजेदार बन जाती हैं। तेज और उत्साहपूर्ण संगीत सुनकर आप अधिक ऊर्जा महसूस करते हैं और आपका व्यायाम भी अच्छा होता है। इससे आपका मनोबल बढ़ता है और आप नियमित रूप से व्यायाम करने के लिए प्रेरित होते हैं। इसके अलावा संगीत सुनने से आपका मूड भी बेहतर होता है, जिससे आप अधिक उत्साह के साथ व्यायाम कर पाते हैं।

भावनाओं को व्यक्त करने में है मददगार

संगीत सुनना भावनाओं को व्यक्त करने का एक अच्छा तरीका है। जब हम किसी गाने को सुनते हैं, जो हमारी भावनाओं से मेल खाता हो, तो हम उसे महसूस करते हैं और उसे अपनी भावनाओं का हिस्सा बना लेते हैं। इससे हमारी भावनाएं बेहतर तरीके से व्यक्त होती हैं। इसके अलावा संगीत सुनने से हम अपने अंदर की गहराइयों को समझ पाते हैं और अपनी भावनाओं को सही दिशा में मोड़ सकते हैं। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -46

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित्त, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

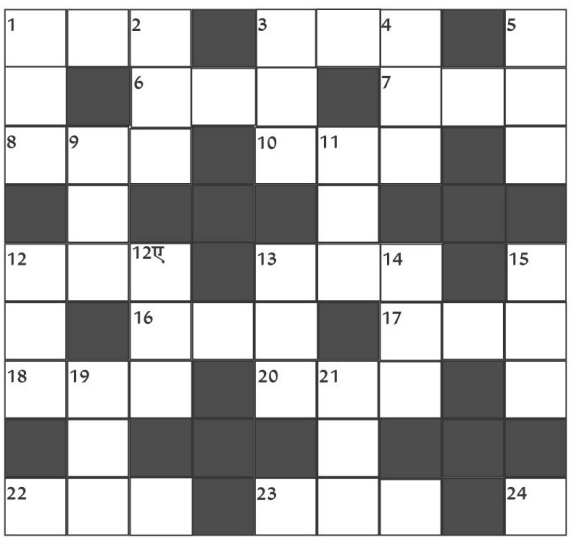

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	बि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

फिल्म आकाशमलो ओका तारा की पहली झलक आई सामने

गीता आर्ट्स, स्वप्ना सिनेमा प्रस्तुत लाइटबॉक्स मीडिया की पैन-इंडिया फिल्म आकाशमलो ओका तारा - दुलकर सलमान के जन्मदिन पर झलक का अनावरण किया गया। बहुभाषी अभिनेता और भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारे, दुलकर सलमान, विविध और बेहद आकर्षक भूमिकाओं को स्वीकार करने के लिए जाने जाते हैं। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए प्रसिद्ध, दुलकर ने तेलुगु सिनेमा में महानति, सीता रामम और लकी भास्कर में उत्कृष्ट अभिनय के साथ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अभिनेता ने अब प्रतिभाशाली निर्देशक पवन सादिनेनी के साथ हाथ मिलाया है, जो अपनी अभिनव कहानी और अद्वितीय सिनेमाई दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं।

इस फ़िल्म का दिलचस्प शीर्षक आकासमलो ओका तारा है और इसका निर्माण लाइटबॉक्स मीडिया के संदीप गुन्नम और राम्या गुन्नम ने किया है। गीता आर्ट्स और स्वप्ना सिनेमा जैसे प्रतिष्ठित प्रोडक्शन हाउस इस फ़िल्म को प्रस्तुत कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में बड़े नामों का समर्थन मिलने के साथ, यह फ़िल्म अपनी अलग पहचान बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। दुलकर सलमान के जन्मदिन के ख़ास मौके पर, निर्माताओं ने फ़िल्म की पहली झलक पेश की, जिससे दर्शकों को एक सौम्य और दिल को छू लेने वाली झलक मिली।

इस झलक में रोज़मर्रा की ज़िंदगी के शांत अंशों को दर्शाया गया है, साथ ही दुलकर की शांत और संयमित उपस्थिति भी। एक स्कूली छात्रा का दौड़ता हुआ साधारण सा अंतिम दृश्य एक अमिट छाप छोड़ता है। शानदार संगीतकार जीवी प्रकाश ने एक दिल को छू लेने वाली धुन तैयार की है जो झलक के मूड को और भी बेहतर बना देती है। हालाँकि कलाकारों और कहानी का खुलासा अभी नहीं हुआ है, लेकिन विज़ुअल टीज़र ने दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली है।

यात्रा के शांत पलों और दुलकर की शांत मुस्कान से भरे दृश्य, बिना कुछ बताए ही बहुत कुछ कह जाते हैं। सार्थक कहानियाँ चुनने के दुलकर के निरंतर ट्रैक रिकॉर्ड और निर्देशक पवन सादिनेनी की रचनात्मक दृष्टि के साथ, आकासमलो ओका तारा एक महत्वपूर्ण और यादगार प्रोजेक्ट बन रही है। सिर्फ़ एक झलक ही भावनाओं और सूक्ष्म कथा-कथन से भरपूर एक फ़िल्म का संकेत देती है। प्रतिभाशाली सुजीत सारंग छायांकन का काम संभाल रहे हैं, जबकि श्वेता साबू सिरिल प्रोडक्शन डिज़ाइन की प्रभारी हैं। इतनी मजबूत टीम और रोमांचक कलाकारों के साथ, आकाशमलो ओका तारा तेलुगु, तमिल, हिंदी और मलयालम दर्शकों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने के लिए तैयार है।

मन्नू क्या करेगा? का पहला पोस्टर जारी!

नई म्यूजिकल रोमांटिक ड्रामा फिल्म मन्नू क्या करेगा? में नए कलाकार व्योम और साची बिंद्रा नजर आएंगे। इस फिल्म के टीजर की रिलीज डेट सामने आ गई है।

प्रोडक्शन हाउस क्यूरियस आई सिनेमा ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया। इस पोस्टर में व्योम और साची घास पर लेटे हुए दिख रहे हैं। साची के हाथ में ग्रीन स्फीयर नाम की एक लाल किताब है, जिससे उनका आधा चेहरा ढका हुआ है, जबकि व्योम अपने चेहरे के सामने एक फुटबॉल पकड़े हुए दिखाई दे रहे है।

पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, पहली बार का अनुभव हमेशा कुछ खास होता है। पेश है रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म मन्नू क्या करेगा?, जो दिल की भावनाओं से भरी कहानी है। इसमें सुरीले गाने हैं, जो कॉलेज के प्यार की मिठास को खूबसूरती से पेश करते हैं। इसमें नए और जबरदस्त डेब्यू कलाकार व्योम और साची मुख्य भूमिका में हैं। उनका जादू बड़े पर्दे पर देखने के लिए तैयार हो जाइए। फिल्म का टीजर 30 जुलाई को रिलीज होगा... जुड़े रहें।

इस फिल्म का निर्देशन संजय त्रिपाठी ने किया है और संगीत ललित पंडित ने तैयार किया है। फिल्म के कुछ गानों के बोल मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने लिखे हैं।

फिल्म निर्माता शरद मेहरा ने कहा, यह फिल्म युवाओं के प्यार का जश्न है। इसमें यह दिखाया गया है कि लोग अपने प्यार में गलतियां करते हैं, लेकिन उन्हें एक दूसरा मौका भी मिलता है। यह कहानी उन कोशिशों के बारे में है जो किसी खास इंसान के लिए की जाती है। असल में जो चीज हमारे लिए सबसे ज्यादा मायने रखती है, उसके लिए हम कुछ भी करने के लिए तैयार रहते हैं।

उन्होंने आगे कहा, व्योम और साची अपने अभिनय में सच्चाई और भावनाएं लेकर आए हैं। मन्नू क्या करेगा? एक ऐसी कहानी है जो सीधे दिल को छू जाएगी।

फिल्म में अनुभवी कलाकार विनय पाठक, कुमुद मिश्रा और चारु शंकर भी अहम भूमिका में हैं।

राशि खन्ना उस्ताद भगत सिंह में दिखेंगी पवन कल्याण के साथ

साउथ के सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्मों का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। पिछले काफी समय से फिल्म उस्ताद भगत सिंह को लेकर सुर्खियों में हैं। आए दिन उनकी इस फिल्म से जुड़ी अलग-अलग जानकारियां सामने आ रही हैं। अब खबर है कि इस फिल्म में साउथ की एक और अदाकारा राशि खन्ना की एंट्री हो गई है। वह फिल्म में पवन के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी।

उस्ताद भगत सिंह की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। निर्माता इस महीने के आखिर तक पवन के हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। उधर किसिक वाली श्रीलीला इस एक्शन ड्रामा फिल्म की नायिका हैं। स्क्रिप्ट में एक और हीरोइन की जगह है।

रिपोर्ट्स मुताबिक, राशि खन्ना का नाम इसके लिए लगभग तय है। राशि पहले साईं धर्म तेज और वरुण तेज के साथ सफल फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

इस फिल्म का निर्माण पुष्पा वाले मैत्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म के संगीत का जिम्मा भी पुष्पा और पुष्पा 2 के संगीतकार देवी श्री प्रसाद पर है। फिल्म उस्ताद भगत सिंह में आशुतोष राणा, गौतमी और नागा महेश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। उस्ताद भगत सिंह में पवन एक निडर और विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका में अपनी धाक जमाते दिखेंगे।

राशि साउथ और हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं, वहीं ओटीटी पर भी सक्रिय हैं।

फिल्म मद्रास कैफे से राशि ने बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आईं। इस फिल्म में अपनी सादगी और गंभीरता से उन्होंने अपनी जगह पक्की करने की कोशिश की। 34 साल की राशि को एक ओर जहां शाहिद कपूर के साथ वेब सीरीज फर्जी में देखा गया, वहीं रूद्र में वह अजय देवगन के साथ नजर आईं।

पवन साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने स्टार हैं। उनका असली नाम कोनिडेला कल्याण बाबू हैं। पवन कल्याण को साउथ फिल्म इंडस्ट्री में पावर स्टार के नाम से जाना जाता है। वह साउथ फिल्मों के सुपरस्टार चिरंजीवी के छोटे भाई हैं। उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत फिल्म अक्कड़ अम्माई लक्कड़ से साल 1996 में की थी। इसके बाद उन्होंने साउथ की कई बड़ी हिट फिल्में दीं। वह राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई सम्मान हासिल कर चुके हैं।

अलाना पांडे सोशल मीडिया पर काफी फेमस हैं!

आजकल हर तरफ बस एक फिल्म की चर्चाएं हो रही हैं। इंटरनेट पर इसका बड़ा क्रेज देखने को मिल रहा है। बॉलीवुड से लेकर साउथ के स्टार्स इसकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तूफान ला दिया है। सबसे दिलचस्प बात ये है कि इस फिल्म में कोई सुपरस्टार नहीं है, बल्कि फिल्म की दीवानगी ने नए-नवेले हीरो को सुपरस्टार बना दिया है।

शायद अब समझ ही गए हो। जी हम बात कर रहे हैं 18 जुलाई से सिनेमाघरों में छाई फिल्म सैयारा' की, जिसने सिर्फ 4 दिन में 100 करोड़ का आंकड़ा पार लिया था। फिल्म के लीड रोल अहान पांडे और अनीत पड्डा को इससे नई पहचान मिल गई है। आजकल हर तरफ सिर्फ इन्हीं की चर्चा है।

आज हम आपको नए-नवेले सुपरस्टार अहान पांडे की सगी बहन से मिलवा रहे हैं। कमाल की खूबसूरत अलाना पांडे सोशल मीडिया पर काफी फेमस हैं। 29 साल की अलाना एक यूट्यूबर और सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर हैं।

अलाना टीवी सीरीज द ट्राइब (2024) में नजर आ चुकी हैं। सोशल मीडिया पर इनकी फोटोज और वीडियोज अक्सर वायरल होती रहती हैं। हालांकि एक्टिंग से अलाना दूर ही हैं। वो कंटेंट क्रिएट करती हैं और बड़े बड़े ब्रैंड्स के साथ भी काम करती हैं।

साल 2023 में अलाना ने आइवर मैकक्रे संग शादी रचाई हैं। दोनों का एक बेटा भी हैं। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर खूब फोटोज वीडियो शेयर करते हैं। उनका अकाउंट खूबसूरत और बोल्ड तस्वीरों से भरा पड़ा है।

इंस्टाग्राम पर अलाना काफी पॉपुलर हैं। यहां अक्सर अपनी फोटोज शेयर करती रहती हैं, उनका फैशन सेंस लोगों को काफी पसंद आता है। एक से बढ़कर एक फोटोज देख उनकी अच्छी खासी फैन फोलोइंग बन चुकी है।

हाल ही में अलाना ने अपने भाई अहान पांडे को लेकर एक इमोशनल पोस्ट किया था। उन्होंने अहान को ढेर सारी बधाई दी थी। अपने भाई को इस मुकाम तक पहुंचता देख अलाना काफी इमोशनल हो गई थीं।

एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के कारोबार

अमित बैजनाथ गर्ग

हाल में मॉडल-अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की कार्डियक अरेस्ट के चलते 42 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई। उनके कार्डियक अरेस्ट आने की वजह एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन भी बताई जा रही है।

शेफाली सात-आठ सालों से ये दवाएं ले रही थीं। जिस दिन उनकी मौत हुई उस दिन उनका व्रत था। वह खाली पेट भी इन दवाओं को ले रही थीं। असल में पिछले कुछ सालों में लोगों में उम्र को छिपाने और जवान दिखने का चलन तेजी से बढ़ा है। इसके लिए वे जम कर पैसा बहा रहे हैं।

अगर एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के कारोबार की बात की जाए तो यह देश में तेजी से बढ़ रहा है। इसमें कॉस्मेटिक यानी सर्जरी एवं फिलर्स ट्रीटमेंट और दवाइयां, दोनों शामिल हैं। यह बाजार त्वचा की देखभाल, झुर्रियां हटाने और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने वाली दवाओं और उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। एक अनुमान के मुताबिक, 2023 में देश में एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार करीब 3,500 करोड़ रु पये का था। 2024 में इसका आकार 4,000 करोड़ रु पये से ज्यादा हो गया। 2035 तक इसके 8,000 करोड़ रु पये से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह कारोबार 7-8 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है।

कुछ कंपनियों का दावा है कि यह कारोबार दस साल बाद दस हजार करोड़ रुपये से भी ज्यादा का होगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार कितनी तेजी से पैर पसार रहा है। एक्सपर्ट बताते हैं कि लोगों में जवां दिखने की चाहत तेजी से बढ़ रही है। इनमें 30-50 साल तक की उम्र वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। देश में एंटी-एजिंग उपचार के लिए कई तरह की दवाएं, इंजेक्शन तथा सर्जरी बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। इस बिजनेस में दखल रखने वाली कई कंपनियों ने अलग-अलग शहरों में अपने क्लिनिक खोल लिए हैं। मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के मौजूदा कारोबार में अंग्रेजी, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयां, स्किन संबंधी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स, बोटोक्स सर्जरी तथा फिलर्स ट्रीटमेंट के बिजनेस शामिल हैं।

एंटी-एजिंग उपचार वह प्रक्रिया है, जिसमें आपको बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाया जाता है। यह त्वचा पर झुर्रियां बढ़ने से रोकने का उपचार है। इसके तहत कॉस्मेटिक, दवाइयां, सर्जरी, इंजेक्शन और कोलेजन सप्लीमेंट्स आते हैं। एंटी-एजिंग उपचार अंग्रेजी के साथ आयुर्वेदिक तरीके से भी करने का दावा किया जाता है। अंग्रेजी कंपनियों के साथ कुछ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक कंपनियों ने भी दवाएं, ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और कोलेजन सप्लीमेंट्स बनाने शुरू कर दिए हैं।

कहने का अभिप्राय यह है कि आयुर्वेदिक-होम्योपैथिक कंपनियों की भी अंग्रेजी दवा कंपनियों की तरह इस बाजार पर पूरी नजर है। हालिया कई सर्वे और रिपोर्ट्स बताती हैं कि दुनिया की तरह भारत में भी एक बड़ी आबादी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देख कर प्रॉडक्ट्स का जम कर उपयोग कर रही है। कई सेलेब्रिटी हैं, जो टीवी और सोशल मीडिया पर इस तरह की दवाओं का प्रचार कर रहे हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि एंटी-एजिंग की कुछ दवाओं में हार्मोन, स्टेरॉयड या अन्य केमिकल्स होते हैं, जो शरीर के नेचुरल सिस्टम से छेड़छाड़ करते हैं। इससे हार्ट और लिवर को नुकसान पहुंच सकता है। हार्मोन बैलेंस भी बिगड़ सकता है। इन दवाओं का लगातार सेवन करना ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या हार्ट से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकता है। कई लोगों की स्किन बहुत ज्यादा संवेदनशील होती है, कुछ को एलर्जी की समस्या भी होती है। डॉक्टरों का कहना है कि हर किसी को किसी भी नए प्रॉडक्ट का उपयोग करने से पहले एक बार डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह ले लेनी चाहिए। कोई भी दवा या सप्लीमेंट डॉक्टर की देखरेख में इस्तेमाल करने से ही उसके सुरक्षित बने रहने के चांस ज्यादा होते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि बिना दवा के भी बढ़ती उम्र में जवान दिखा जा सकता है। इसके लिए फल एवं हरी सब्जियों का सेवन करें। वे एवाकाडो, ब्ल्यूबेरी, हल्दी, नट्स और सीड्स तथा हरी पत्तेदार सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। ये फल-सब्जियां कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देते हैं, जिससे त्वचा टाइट और ग्लोइंग बनी रहती है। वहीं, पालक-मेथी जैसी हरी सब्जियों में विटामिन-के, आयरन और फोलेट होता है, जो ब्लड सकरुलेशन को बेहतर बनाता है। इन सभी को नियमित रूप से डाइट में शामिल करें। इसके साथ हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करें। रोजाना 30 मिनट व्यायाम करें, पूरी नींद लें, भरपूर मात्रा में पानी पिएं और जंक फूड कम से कम खाएं। सबसे जरूरी बात यह है कि दौड़ती-भागती जिंदगी में तनाव का प्रबंधन करें।

कांतारा 2: योद्धा की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता ऋषभ

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है।

फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है।' इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे।

ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी।

ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

सू- दोकू क्र.46

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.45 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

ट्रंप की सनक या तानाशाही

प्रेम शर्मा

अपने अनिश्चित स्वभाव के अनुरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था के साथ बहुत अधिक खिलवाड़ किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। ट्रंप की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। जिसे राष्ट्रपति चुने जाने के लिए भारत में हवन पूजन किया गया हो। जिसे देश के प्रधानमंत्री का बेहतर मित्र कहा जा रहा हो वह राष्ट्रपति भारत के खिलाफ लगातार आग उगल रहा हैहालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद को संभाला है, भारत के खिलाफ ही काम कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगला और कहा कि अब वो दिन लद गए जब अमेरिकी कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। इससे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों को एक सख्त मैसेज दिया है, जिसमें भारत से हायरिंग करने को मना किया है। ऐसे कई फैसले जो उन्होंने भारत को हानि पहुचाने वाले लिए है।

दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। उनका कहना है कि हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाईं, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...।' कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी बुद्धिमत्ता से जगह बनाई है। दर्जनों विश्व विख्यात कम्पनी के मुख्यकर्ताधर्ता भारतीय मूल के है।

सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्युन 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में 1.5 वाले भारतीय 5-6- इनकम टैक्स अदा करते हैं।अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है। इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' पूरा नहीं हो सकता। वैसे भी जब से ट्रप ने पद सम्हाला है तब से संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यापार परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में 20 से ज्यादा देशों में अपने टैरिफ अभियान का विस्तार कर रहे हैं। 50 प्रतिशत तक के प्रतिशोधात्मक शुल्कों के साथ, ऑटोमोबाइल और एल्युमीनियम से लेकर तांबा और ई-कॉमर्स तक, सभी क्षेत्र इस टकराव में फँस गए हैं। यानि इतना तो तय है कि या तो ट्रम्प किसी सनक का शिकार हो गए है फिर उनको तानाशाही करने में मजा आ रहा है। लेकिन हिन्दुस्तान में यह कहावत आम है कि अकेल चना भाड़ नही फोड़ सकता। इसका आभास जल्द ही ट्रम्प को हो जाएगा।

आपदा प्रभावितों से मिले सांसद और कैबिनेट मंत्री

❑प्रभावितों को हर संभव मदद का दिलाया भरोसा

हमारे संवाददाता

पौड़ी। विधानसभा पौड़ी के अंतर्गत आपदाग्रस्त गांव कलुण में आज गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी और कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। सांसद व मंत्री ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की, उनका हालचाल जाना और सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। निरीक्षण के दौरान सांसद अनिल बलूनी ने बताया कि राहत एवं पुनर्वास कार्यों में किसी भी प्रकार की देरी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री, मुआवजा राशि और आवास संबंधी सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जिला प्रशासन द्वारा तेजी से जनता को राहत पहुंचाया गया है तथा आपदाग्रस्त क्षेत्रों में विद्युत, पेयजल और मार्गों को सुचारु कर दिया गया है। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य सरकार आपदा पीड़ितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है और उनकी समस्याओं के समाधान में पूरी गंभीरता से काम कर रही है। इस अवसर पर विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी, तहसीलदार पौड़ी दीवान सिंह राणा सहित अन्य उपस्थित रहे।

जमीन के नाम पर ठगे 6 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर छह लाख रूपये की ठगी के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जोहडी गांव निवासी स्नेहलता ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पति राजकुमार की पहचान उतडी गांव निवासी कृष्णा देवी से हुई। उसके पति ने कृष्णा देवी से जमीन खरीदने की बात कही तो कृष्णा ने किसी अन्य की जमीन को अपना बताकर उसके पति से छह लाख रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का ताला तोड जेवराव व नगदी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगोत्री विहार मियांवाला निवासी चरण सिंह ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान अस्त व्यस्त पडा था। चोर उसके यहां से नगदी व जेवरात चोरी करके ले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अंतर्राष्ट्रीय फर्जी पार्सल व सरकारी ...

◀◀ पृष्ठ 2 का शेष

एवं संबंधित डिजिटल माध्यमों की जानकारी हेतु बैंकों, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स, डोमेन होस्टिंग कंपनियों एवं मेटा कंपनी से पत्राचार कर डेटा प्राप्त किया गया। प्राप्त डेटा के विश्लेषण से यह स्पष्ट हुआ कि साइबर अपराधियों ने फजी अंतरराष्ट्रीय पार्सल भेजने का झांसा देकर एवं स्वयं को सरकारी अधिकारीधराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा अधिकारी बताकरए पीड़ित से विभिन्न बैंक खातों में 28,98,650 की राशि स्थानांतरित करवाई। जांच के दौरान साईबर थाना पुलिस टीम द्वारा मुकदमें में प्रकाश में आए मोबाइल नंबरों, बैंक खातों, व्हाट्सएप चैट, फेसबुक मैसेंजर वार्तालाप, पार्सल ट्रैकिंग डोमेन एवं संबंधित डिजिटल माध्यमों की जानकारी का सत्यापन किया गया। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी डिजिटल साक्ष्य एकत्र कर घटना के नाइजीरियन नागरिक को चिन्हित करते हुये आरोपी की तलाश जारी की। साईबर टीम द्वारा बीएनएसएस के अन्तर्गत प्रकाश में आये आरोपी की तलाश दिल्ली जाकर उसकी गिरफ्तारी की गयी। अग्रिम जांच कार्यवाही बीएनएसएस के अन्तर्गत की गई। प्रारम्भिक पूछताछ में आरोपी ने साईबर अपराध हेतु जिस बैंक खातों का प्रयोग किया गया है उसमें मात्र कुछ माह में ही करोडो रूपयों का लेन-देन होना प्रकाश में आया है। जाँच में यह भी प्रकाश में आया है कि आरोपी के विरुद्ध देश के कई राज्यों में साईबर अपराधों में एफआईआर व अन्य शिकायतें दर्ज हैं। जिसके सम्बन्ध में जानकारी हेतु अन्य राज्यों की पुलिस के साथ संपर्क किया जा रहा है।

गर्व, उत्साह और उमंग के साथ मनाया जाएगा आजादी का जश्न

❑परेड ग्राउंड में तैयारियां पूरी, डीएम ने व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता

देहरादून। जिलाधिकारी सविन बसंल ने परेड ग्राउंड में तैयारियों का जायजा लेते हुए कहा कि गर्व, उत्साह और उमंग के साथ आजादी का जश्न मनाया जाएगा।

आज यहां आजादी का पर्व स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह, उमंग और गर्व के साथ मनाया जाएगा। परेड ग्राउंड में राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रात: 10 बजे ध्वजारोहण करेंगे। स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सविन बंसल ने कार्यक्रम स्थल परेड ग्राउंड में व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथि, विशिष्ठ अतिथि, महानुभाव आगंतुकों की बैठक व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, मार्ग संचालन, विद्युत आपूर्ति, स्वागत-सत्कार, स्वच्छता और पेयजल आपूर्ति जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर पुख्ता प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी नोडल अधिकारी माइक्रो प्लानिंग के तहत कार्य करें और आपसी तालमेल

के साथ सभी तैयारियों को अंतिम रूप दें। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, राज्य आंदोलनकारी, उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कार्मिकों को मंच पर सम्मानित करने की समुचित व्यवस्था की जाए। साउंड सिस्टम, लाइव प्रसारण के लिए एलईडी की उपयुक्त व्यवस्था रखें।

जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल पर मुख्य मंच, सेफ हाउस, फोटो गैलरी सहित आगंतुकों के लिए बैठक की व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि समारोह से जुड़ी कोई भी व्यवस्था अधूरी न रहे और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान उन्होंने पुलिस परेड/सलामी कार्यक्रम की तैयारियों के बारे में भी जानकारी ली और निर्धारित समय के अनुसार व्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम का संचालन करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी (एफआर) केके मिश्रा, उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह सहित लोनिवि, पर्यटन, उद्यान, पूर्ति एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नशा तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 160.29 ग्राम चरस बरामद की गयी है। मामला बुग्गावाला थाना क्षेत्र का है। मिली जानकार के अनुसार बीती रात थाना बुग्गावाला पुलिस को सूचना मिली की क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को मजाहिदपुर पुलिया पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 161.29 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम दुष्यन्त पुत्र सुरेश निवासी मुजाहिदपुर सतीवाला थाना बुग्गावाला जनपद हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे एनडीपीएस की धारा में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया

एनसीसी कैडेट्स से साइबर क्राइम से सतर्क रहने की अपील

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के तत्वाधान में फोनिक्स विश्वविद्यालय, रुड़की में दिनांक 7 अगस्त 2025 से संचालित प्री थल सेना शिविर प्रथम के सातवें दिन कैडेट्स को शेखर चंद्र सुयाल, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, हरिद्वार और उसकी टीम द्वारा साइबर क्राइम से सतर्क रहने की अपील की गई।

अतिथि का स्वागत संस्था के डायरेक्टर जनरल संजय जैन द्वारा तुलसी का पौधा देकर किया गया। एसपी देहात ने बताया कि वर्तमान समय में इंटरनेट और सोशल मीडिया का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिसके साथ साइबर अपराध के मामले भी लगातार सामने आ रहे हैं

विशेषकर छात्र वर्ग, जो पढ़ाई, ऑनलाइन क्लासेस, सोशल मीडिया और गेमिंग प्लेटफॉर्म का अधिक उपयोग करता है, साइबर ठगों का आसान निशाना बन रहा है, इनके द्वारा सभी कैडेट्स और उनके अभिभावकों से अपील की गई कि अपनी निजी जानकारी सुरक्षित रखें जैसे बैंक खाता, आधार नंबर आदि किसी के साथ भी साझा न करें व अजनबी लिंक पर क्लिक न करें ई-मेल, मैसेज या सोशल मीडिया पर आए संदिग्ध लिंक तुरंत डिलीट करे। सोशल मीडिया पर सतर्क रहें और अपनी व्यक्तिगत तस्वीरें, लोकेशन और निजी जानकारी पब्लिक न करें। ऑनलाइन गेम्स और ऐप्स केवल भरोसेमंद और आधिकारिक ऐप्स का ही उपयोग करें, अनजान लिंक से ऐप डाउनलोड न करें और साइबर अपराध की आशंका होने पर तुरंत नजदीकी पुलिस थाने से संपर्क करें। कैंप कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह ने बताया की साइबर अपराध से बचाव ही सबसे बड़ा सुरक्षा उपाय है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी का खुलासा दो अंतर्राज्यीय चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। ट्रैक्टर-ट्राली चोरी होने के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो अंतर्राज्जीय शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से चुरायी गयी दो ट्रैक्टर-ट्राली में बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज शिव कुमार पुत्र आशाराम चौहान निवासी ग्राम कांगडी ने थाना श्यामपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि अज्ञात चोरों द्वारा उनकी ट्रैक्टर-ट्राली चोरी कर ली गयी है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की

तलाश में जुटी पुलिस द्वारा एक सूचना के बाद दो संदिग्ध को दबोचकर उनसे सख्ती से पूछताछ की गयी। जिन्होने अपना नाम पंकज सैनी पुत्र अमर सिंह सैनी निवासी ग्राम मीरा सराय हीरा नगर कालोनी थाना कोतवाली अमरोहा जिला अमरोहा उत्तर प्रदेश व दिव्यांशु कुमार पुत्र संजय कुमार निवासी ग्राम ढक्का करमचंद थाना धामपुर जिला बिजनौर उत्तर प्रदेश बताया। उन्होने अपना जुर्म कबूल करते हुए अपनी निशांदेही पर टांटवाला नहर पटरी के पास रसियाबड के जंगलों से चोरी की गयी दो 2 ट्रैक्टर व ट्रॉलियां व चोरी की घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल बरामद की गई। मामले में एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

यूपी में बर्ल्ड फ्लू की पुष्टि के बाद देहरादून जिला प्रशासन अलर्ट

संवाददाता

देहरादून। उत्तर प्रदेश में बर्ल्ड फ्ल्यू की दस्तक के बाद जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया और जिलाधिकारी सविन बसंल ने जनपद के सभी 170 पोल्ट्री फार्म में मुर्गियो के रैंडम सैंपल लेने के निर्देश दिये।

आज यहां उत्तर प्रदेश में बर्ल्ड फ्ल्यू की दस्तक के बाद देहरादून जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। बर्ल्ड फ्ल्यू की रोकथाम को लेकर जिलाधिकारी सविन बंसल ने ऋषिपर्णा सभागार में सभी संबंधित अधिकारियों की बैठक लेते हुए सतर्क रहने और समन्वित रूप से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। एवियन इन्फ्लूजा जिसे आमतौर पर बर्ड फ्लू के रूप में जाना जाता है, एक अत्यधिक संक्रामक वायरल बीमारी है जो पक्षियों को प्रभावित करती है। यह बीमारी मनुष्यों में भी फैल सकती है हालांकि यह दुर्लभ है। जिलाधिकारी ने पशुपालन विभाग को निर्देशित किया कि एहतियात के तौर पर

❑डीएम के निर्देश, जनपद के सभी 170 पोल्ट्री फार्म में मुर्गियों के लिए जाए रैंडम सैंपल

जनपद के सभी पोल्ट्री फार्म से 03 दिन के भीतर रैंडम सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा जाए। पोल्ट्री फार्म पर नियमित निगरानी रखी जाए। रैपिड रिस्पांस टीम को एक्टिव करें। वन विभाग को तालाब, झील एवं नदियों के आसपास रहने वाले पक्षियों पर नजर रखने और कोई पक्षी मृत या बीमार मिलने पर तत्काल इसकी जानकारी पशु चिकित्सा विभाग को देने को कहा। हालांकि जिले के पोल्ट्री फार्म में अभी तक वर्ल्ड फ्ल्यू का कोई भी मामला सामने न आने पर जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के पोल्ट्री पर फिलहाल कोई प्रतिबंध नही है। जिलाधिकारी ने सैनिक कल्याण अधिकारी को जनपद में स्थित आर्मी और पैरामिलिट्री फोर्स हैडक्वाटर को भी इस संबंध सतर्क करने को कहा। जिलाधिकारी ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि यूपी से सटी जनपद की सभी सीमाओं पर चेक पोस्ट स्थापित करते हुए बाहर से आने वाले जिन्दा मुर्गे, मुर्गे का मांस और अंडे पर अग्रिम आदेशों तक रोक लगाई जाए। जनपद में अनाधिकृत रूप से संचालित मीट की दुकानों को तत्काल सीज कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम, पशु चिकित्साधिकारी और नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्र में पोल्ट्री फार्म एसोसिएशन और मुर्गा मांस व्यापारियों के साथ बैठक कर जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, सिटी मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, एसडीएम कुमकुम जोशी, उप नगर आयुक्त संतोष कुमार पांडेय, सीएमओ डा. मुकेश कुमार शर्मा, सीवीओ डॉ एससी जोशी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बिहार में 65 लाख वोटर हटाने पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

●19 अगस्त तक चुनाव आयोग से मांगी पूरी जानकारी

कार्यालय संवाददाता

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर मचे घमासान के बीच सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को चुनाव आयोग से तीखे सवाल पूछे और पारदर्शिता को लेकर कड़ा रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह 19 अगस्त तक यह स्पष्ट करे कि मतदाता सूची से हटाए गए 65 लाख लोगों में कौन-कौन शामिल हैं, और 22 अगस्त तक इस पर विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की जाए। इस दौरान चुनाव आयोग ने अपनी बात रखी और कहा कि उसके पास ऐसे फैसले लेने का अधिकार है। आयोग ने माना कि उसने जिला स्तर पर मृत, दूसरी जगह चले गए या पलायन कर चुके लोगों की सूची तैयार की है और इसे राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को दिया गया है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नागरिकों के अधिकार राजनीतिक पार्टियों के भरोसे नहीं छोड़े जा सकते। कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया कि वह उन 65 लाख हटाए गए वोटरों की पूरी जानकारी 19 अगस्त तक कोर्ट को दे। साथ ही, 22 अगस्त तक इस पर एक अनुपालन रिपोर्ट भी सौंपनी होगी। अदालत ने चुनाव आयोग को सलाह दी कि वह वेबसाइट और सार्वजनिक स्थलों पर इस तरह की जानकारी साझा करने का तंत्र विकसित करे, ताकि जानकारी की पारदर्शिता बनी रहे और अनजाने में हुई गलतियों को समय रहते सुधारा जा सके। साथ ही, कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसे स्थानों की सूची और पब्लिक नोटिस भी जारी किए जाएं, जहां जाकर आम लोग यह देख सकें कि उनके नाम सूची में क्यों हटाए गए हैं।

जिलाधिकारी उत्तरकाशी ने किया हाल ही में बनी अस्थायी झील का निरीक्षण

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिलाधिकारी उत्तरकाशी, प्रशांत आर्य ने आज हर्षिल क्षेत्र में हाल ही में बनी अस्थायी झील का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। यह झील धराली-हर्षिल क्षेत्र में हाल की आपदा के कारण हर्षिल खीरगाड़ में भारी मलबा आने से बनी है। जिलाधिकारी ने कहा कि झील के मुहाने से वर्तमान में जल का प्रवाह सुचारू रूप से हो रहा है, जिससे तात्कालिक रूप से किसी बड़े खतरे की आशंका नहीं है। हालांकि नदी के किनारे में बहाव को अवरोध उत्पन्न कर रहे मलबे को हटाने की दिशा में युद्धस्तर पर मैनुअल रूप से कार्य किया जा रहा है। दलदल युक्त स्थल होने के कारण भारी मशीनों की तैनाती संभव नहीं हो पा रही है, जिसके चलते प्रशासन द्वारा स्थानीय संसाधनों और श्रमिकों की सहायता से सतत सफाई कार्य किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र में सतर्क निगरानी बनाए रखते हुए समय-समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारी सुनिश्चित की जाए।

मोबाइल लूट में दो लोग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने मोबाइल लूट के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सेलाकुई पर मुशाहिद पुत्र शाहिद हसन निवासी जमनपुर सेलाकुई ने एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया कि लेबर चौक सेलाकुई से अपने घर की ओर जाते समय पीछे से आये दो मोटरसाइकिल सवार उसके हाथ से मोबाइल छीनकर मौके से फरार हो गए। मुशाहिद द्वारा दी गयी तहरीर के आधार पर थाना सेलाकुई पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना की गंभीरता के दृष्टिगत उसके खुलासे तथा गिरफ्तारी हेतु एसएसपी

अजय सिंह के निर्देशों पर थाना सेलाकुई पर पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा घटना स्थल व उसके आस पास आने जाने वाले मागी पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजो का निरीक्षण करते हुए घटना में शामिल बदमाशों का संबंध में जानकारी एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी के आधार पर डिक्सन कंपनी के पास खाली ग्राउंड से घटना में शामिल आसिफ पुत्र इकबाल तथा नदीम पुत्र युसूफ को घटना में छीने गये मोबाइल फ़ोन तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उनके द्वारा बताया गया कि वह नशे का आदी है तथा अपनी नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मोबाइल स्नेचिंग की घटना को अंजाम दिया गया था। गिरफ्तार नदीम पूर्व में भी मादक पदार्थो की तस्करी में जेल जा चुका हैए जिसके विरुद्ध थाना सहसपुर में एनडीपीएस एक्ट के 02 मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनको न्यायालय में पेश किया जहां से उनको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

किश्तवाड़ में भी बादल फटा, 12 लोगों की मौत

कार्यालय संवाददाता

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मचौल मट्टा यात्रा के रास्ते में पड्डेर सब डिवीजन के चिशोती गांव में बादल फटने से भारी तबाही मची है। बादल फटने से चिशोती गांव में अचानक बाढ़ आ गई। कई लोगों के बहने की भी सूचना है। बादल फटने से 12 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। डीसी किश्तवाड़ ने 12 लोगों के मरने की पुष्टि की है। राहत और बचाव कार्य जारी है। हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़ भी सकती है। इसके अलावा, कश्मीर के राजौरी और मेंढर से भी बाद फटने की जानकारी सामने आ रही है।

घटना की जनकारी मिलने के बाद मोदी सरकार में मंत्री जितेंद्र सिंह ने स्थानीय अधिकारियों से बात की और घटना की जानकारी हासिल की। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने मौके पर राहत कार्य के लिए कार्यवाही शुरू की है। उपायुक्त किश्तवाड़ ने तुरंत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक किश्तवाड़ और अन्य संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर एक टीम घटनास्थल पर भेजी। रेड क्रॉस की टीम भी राहत सामग्री के साथ घटनास्थल पर पहुंच गई है।

जम्मू-कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ष्चोसिटी किश्तवाड़ में बादल फटने से व्यथित हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। सिविल, पुलिस, सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ अधिकारियों को बचाव एवं राहत अभियान को और तेज करने और प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।